के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य-क्रम भी धीमी गति से चल रहा है। कुल मिला कर पूरे प्रखंड की स्थिति दयनीय है। अतः केन्द्र सरकार से मांग है कि सरकार अविलंब कटाव पीड़ितों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था करे। प्रखंड में विद्युतीकरण की व्यवस्था की जाय व स्वास्थ्य योजना चलाई जाए। यातायात की व्यवस्था की जाए कम से कम प्रखंड मुख्यालय में अविलंब टेलीफोन की व्यवस्था की जाए और गरीबी की रेखा से नीचे के लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए व्यापक कार्यक्रम एवं योजना चलाई जाए।

(vi) NEED FOR SOPHISTICATED IMPLEMENTS TO START OIL EXPLORATION IN PILBHIT, UTTAR PRADESH.

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत): विशषज्ञों की रीपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले मे खनिज तेल का सब से बड़ा भंडार है। यह भण्डार काफी गहराई में है। आयल एवं नेचुरल गैस कमीशन ने इस तेल की खोज के लिए 5 वर्ष पूर्व तक लगभग 3200 मीटर गहराई तक खुदाई कराई तथा खोदने वाले उपकरणों द्वारा कड़ी चट्टान के आ जाने से काम न कर पाने के कारण खुदाई बंद कर दी गई तथा खुदाई के उपकरण व अन्य सभी सामान वहां से हटा लिया गया। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार रूस के पास अधिक सक्षम उपकरण हैं। पीलीभीत में तेल का अपरिमित भण्डार है जिसकी देश में अत्यंत आवश्यकता है।

मैं माननीय तेल मंत्री से आग्रह पूर्वक अनुरोध करता हूं कि सक्षम उपकरणों को उपलब्ध कर पीलीभीत में तेल की खोज का कार्य शीघ्र से शीघ्र पुनः आरंभ कराएं।

(vii) ACUTE SHORTAGE OF WATER IN MADRAS

DR. A. KALANIDHI (Madras Central): The Madras City is facing a severe and serious problem about drinking water. Tamilnadu authorities have announced that water will be supplied only on alternative days. But the fact is that water is coming in the taps at a very low pressure only once in ten days. Even to get this one bucket of water people have to wait for a long time ignoring the other important domestic affairs. Ladies are standing in long queues from 1 A.M. to 7 A.M. without sleeping to get this meagre quantity of water. Outside the water is sold commercially 25 paise per litre. Tamilnadu is already in the grip of severe drought due to failure of monsoons. Tamilnadu authorities are not taking any effective steps to solve this problem. Veeranam Project has been shelved by the Government. If this Project had been implemented in the right earnest way in right time this would have solved the acute water scarcity which is existing in the Madras City. Krishna water from Andhra Pradesh will take another ten years. Hence I request the Centre to intervene immediately to restart the Veeranam Project on a war-footing manner to solve the problem of water crisis in a long run. Now I request the Centre to send some experts to study the acuteness of water scarcity prevailing in Madras City and give massive aid to the Government of Tamilnadu to solve the water crisis immediately.

(viii) NEED TO IMPROVE THE WORKING OF SIR SUNDER LAL HOSPITAL OF BANARAS HINDU UNIVERSITY, BANARAS.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सदपुर): मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान से सम्बन्धित सर सुन्दर लाल चिकित्सालय की दयनीय स्थिति की ओर दिलाना चाहता हुं। सरसुन्दर लाल चिकित्सालय पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिम बिहार की घनी आबादी वाले क्षेत्र की करोड़ों जनता के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सालय है। दिन-रात इस क्षेत्र के हजारों रोगी यहां आते हैं, अपना इलाज कराते हैं, किन्तु यहां उपयुक्त व्यवस्था नहीं है।

इस चिकित्सालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आधुनिक औषधि के लिए 550 बैड एवं "भारतीय औषधि" (पी० जी० आई०) के लिए 125 बैड क ग्रांट दिया गया है । उसी के अनुरूप इस अस्पताल में कर्मचारियों एवं चिकित्सकों की स्वीकृति है । इस समय चिकित्सालय में 950 बैड चलते हैं। कर्मचारियों का नितांत अभाव है । मरीजों की ठीक से देखभाल नहीं हो रही है । इस अस्पताल में गन्दगी भी बहुत है ।

पिछले वर्ष कई लाख रुपया खर्च करके मरीजों के कपड़े धोने के लिए एक बड़ी लान्ड्री मशीन यहां लगायी भी गयी । कर्मचारियों के अभाव में वह अभी तक बेकार पड़ी है । लाखों रुपया खर्च करके 6 लिफ्ट लगाई गई । आपरेटर के अभाव में वह बन्द हैं । दूर-दराज से मरीज आकर इधर उधर भटकते हैं । दलालों के चंगुल में पड़ते हैं । उनके परिवार के सदस्यों के साथ छेड़-छाड़, महिलाओं के साथ अनैतिकता की घटनायें बराबर होती हैं । खेद है कि इतने बड़े चिकित्सालय में कोई पूछताछ कार्यालय भी नहीं है ।

इस चिकित्सा विज्ञान संस्थान में क्लीनिकल साइड से हमेशा निदेशक होता रहा । उसका पूरा नियंत्रण दवाओं, डाक्टरों एवं कर्मचारियों पर था । लोग उससे डरते थे । रोगियों की अच्छी तर देखभाल होती थी । क्लीनिकल साइड के ही एक निदेशक स्वयं मरीज देखते थे । आपरेशन करते थे । इस अस्पताल की लोकप्रियता मध्य प्रदेश, पश्चिमी बंगाल तक थी । पर सीधे निदेशक की नियुक्ति अब प्रभावहीन हो गई है । इतना बड़ा चिकित्सा संस्थान इतने बड़े बजट के बावजूद भी बेकार हो गया है ।

आज लाखों मरीज परेशान व असहाय हैं । कर्मचारियों में असन्तोष है । प्रदेश के अन्य केन्द्रीय चिकित्सा संस्थानों के कर्मचारियों एवं यहां के कर्मचारियों के वेतन में भी असमानता है ।

अतः मैं आग्रह करूंगा कि शीघ्र स्वास्थ्य मंत्री जी इस ओर ध्यान दें । यह बहुत ही गंभीर मामला है वरना केन्द्रीय सरकार का इस संस्थान के ऊपर प्रतिवर्ष खर्च होने वाला करोड़ों रुपया बेकार साबित होगा ।

(ix) PAYMENTS OF REASONABLE PRICE TO SUGAR-CANE GROWERS IN RAJASTHAN.

श्री कृष्ण कुमार गोयल (कोटा) : केशोरायपाटन सहकारी शुगर मिल्स राजस्थान के मैनेजमेंट को भारत सरकार ने अपने अधीन सन् 1978 से लिया हुआ है और इसके संचालन हेतु उस पर कस्टोडियन नियुक्त किया हुआ है । इस क्षेत्र में उत्पन्न गन्ने के शक्कर की रिकवरी, राजस्थान में अन्य स्थानों की अपेक्षा अधिक है । परन्तु, उक्त शूगर मिल्स से गन्ना उत्पादन को केवल 16 रुपए 10 पैसे प्रति क्विंटल ही, गन्ने का मूल्य दिया जा रहा है, जब कि भारत के अन्य स्थानों पर 21 रु० प्रति क्विंटल दिया जा रहा है, और उपरोक्त शूगर मिल्स पर भी गत वर्ष 21 रुपए प्रति क्विंटल गन्ने का मूल्य उत्पादक को दिया गया था । इस क्षेत्र के गन्ना उत्पादकों ने इस कम मूल्य दिए जाने के विरोध में आन्दोलन भी किया था व मिल्स पर गन्ना न पहुंचने के कारण कई दिनों तक मिल्स चालू नहीं हो सकी थी । बाद में गन्ने के मूल्य में बढ़ोत्तरी अनुदान के रूप में प्रति क्विंटल देना स्वीकार किये जाने के बाद ही मिल चालू हो सका थी । परन्तु अभी तक इस क्षेत्र के गन्ना उत्पादक को केवल 16 रुपए 10 पैसे प्रति क्विंटल से ही मूल्य मिल द्वारा दिया जा रहा है, जो उसके साथ अन्याय है । अतः मैं खाद्य मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि वे इस सम्बन्ध में सरकार की स्थिति स्पष्ट करें ।